चीन को होगा कच्ची चीनी का निर्यात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : अगले वर्ष की शुरुआत से देश से चीन को रॉ शुगर यानी कच्ची चीनी का निर्यात करने लगेगा। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिलेगी। दोनों देशों के बीच 15,000 टन रॉ शुगर के निर्यात का अनुबंध हुआ है।

दोनों देशों के बीच रॉ शुगर के निर्यात को लेकर लंबे अरसे से बातचीत चल रही थी। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान जारी करके गुरुवार को बताया कि इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन (इस्मा) और चीन के सार्वजनिक उपक्रम कॉफको के बीच अनुबंध किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि सरकार अगले वर्ष चीन को 20 लाख टन रॉ शुगर का निर्यात करना चाहती है। गैर बासमती चावल के बाद रॉ शुगर दूसरा उत्पाद है, जिसका आयात चीन भारत से करेगा।

मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि चीनी के निर्यात से दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिलेगी। अभी चीन से व्यापार में भारत का व्यापार घाटा 60 अरब डॉलर का है। यानी भारत जितने मूल्य का चीन को निर्यात करता है, उससे 60 अरब डॉलर अधिक मूल्य का आयात करता है। भारत दुनिया में चीनी का सबसे अधिक उत्पादन करने वाला देश है। साल 2018 में 3.2 करोड़ टन चीनी के उत्पादन का अनुमान है। भारत में चीनी के तीनों प्रकार-रॉ, रिफाइंड और व्हाइट का उत्पादन किया जाता है। भारतीय चीनी को काफी उच्च गुणवत्ता वाला माना जाता है क्योंकि गन्ना कटने और उसकी पेराई में लगने वाला समय बेहद कम होता है। इसकी वजह से इसमें डेक्सट्रॉन भी नहीं पाया जाता। डेक्सट्रॉन एक तरह का ग्लूकोज पॉलिमर है, जो बैक्टीरिया की वजह से बनता है। अधिकारी का मानना है कि बेहतर गुणवत्ता की चीनी होने की वजह से भारत रॉ शुगर के लिए चीन का नियमित निर्यातक हो सकता है।

Dainik Jagran

9/11/2018